दिल्ली में दिल्ली दुग्ध योजना और मदर डेयरी के दूध की कीमतों में वृद्धि

251. सरदार जगजीत सिंह अरोड़ा :
डा० जितेन्द्र कुमार जैन :

क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि सरकारी क्षेत्र में संचालित मदर डेयरी और दिल्ली दुग्ध योजना द्वारा दिल्ली मे बेचे जाने वाले दूध की कीमतों मे हाल में वृद्धि की गई है ;

(ख) यदि हां, तो दूध की कीमतों में कितने प्रतिशत वृद्धि हुई है और क्या सरकार इस मूल्य वृद्धि से होने वाले लाभ की राशि को सीधे दूध उत्पादकों को देने का विचार रखती है ; और

(ग) यदि हा, तो दुग्ध उत्पादको को दूध के मूल्य में की गई वृद्धि का कितने प्रतिशत हिस्सा दिया गया है ?

कृषि मंत्रालय में कृषि और सहकारिता विभाग में राज्य मंत्री (श्री जयन्तीलाल वीरचन्दभाई शाह): (क) जी हां।

(ख) और (ग) दिल्ली दुग्ध योजना तथा मदर डेयरी द्वारा वितरित किये जाने वाले टोण्ड दूध के मूल्य में प्रतिशत वृद्धि क्रमश: लगभग 11 प्रतिशत और 10 प्रतिशत है। दिल्ली दुग्ध योजना तथा मदर डेयरी, दोनों को ही सलाह दी गई है कि वे राज्य सहकारी दुग्ध संघों/राज्य डेयरी संगठनों, जो उन्हें दूध की आपूर्ति कर रहे हैं, के माध्यम से विक्रय मूल्य में की गई वृद्धि का लाभ दुग्ध उत्पादकों को दें।

Winding up of the State Farms Corporation of India

252. SHRI MAHENDRA PRASAD: Will the Minister of AGRICULTURE be pleased to state:

(a) whether a high Powered Committee which had gone into the working of the States Farms Corporation of India, had recommended winding up of the Corporation;

(b) if so, what were the reasons therefor; and

(c) what decision has been taken in the matter?

THE MINISTER OF STATE IN THE DEPARTMENT OF AGRICULTURE AND COOPERATION IN THE MINISTRY OF AGRICULTURE (SHRI JAYANTILAL VIRCHANDBHAI SHAH): (a) No, Sir.

(b) and (c) Do not arise.

उर्वरक उद्योग के लिए कच्चे माल का आयात

253. श्री बलराम सिंह यादव :
श्री राम जेठमलानी :

क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार का ध्यान उर्वरकों की कमी के बारे मे 29 नवम्बर, 1990 के "हिन्दुस्तान टाइम्स" मे 29 "फ़ारेक्स क्रच मे टिगर फार्म क्राइसिस" शीर्षक के अन्तर्गत प्रकाशित समाचार की ओर गया है ;

(ख) यदि हां, तो क्या यह सच है कि इस वर्ष देश मे उर्वरकों की मांग की अपेक्षा इसकी आपूर्ति के काफी कम रहने की संभावना है ;

(ग) यदि हां, तो इस वर्ष उर्वरकों की मांग की अपेक्षा इसकी कितनी कमी होने की संभावना है,

(घ) क्या यह भी सच है कि उर्वरकों के उत्पादन के लिए जितने कच्चे माल की आवश्यकता होती है उसका अधिकतर हिस्सा विदेशो से आयात किया जाता है; और

(ङ) यदि हा, तो देश मे वर्तमान में प्रयोग में लाए जा रहे कुल कच्चे माल के कितने प्रतिशत भाग का आयात किया जा रहा है और इस समय जब देश विदेशी मुद्रा के संकट से गुजर रहा है तब इस कच्चे माल को आयात करने के संबंध मे सरकार की भावी यो क्या है ;